



Parul khimjibhai chavda

09 Sep 1972

Model: Numerology-Report

Order No: 120864401

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 120864401

Date: 08/01/2026

नाम	Parul khimjibhai chavda
जन्म तिथि	09/09/1972
मूलांक	9
भाग्यांक	1
नामांक	9
मूलांक स्वामी	मंगल
भाग्यांक स्वामी	सूर्य
नामांक स्वामी	मंगल
मित्र अंक	3, 6, 1
शत्रु अंक	7
सम अंक	2, 4, 5, 8
मुख्य वर्ष	1989,1998,2007,2016,2025,2034,2043,2052
शुभ आयु	17,26,35,44,53,62,71,80
शुभ वार	मंगल, बुध, शुक्र
शुभ मास	मार्च, जून, सित
शुभ तारीख	9, 18, 27
शुभ रत्न	मूंगा
शुभ उपरत्न	संगमूंगी
अनुकूल देव	हनुमान
शुभ धातु	ताम्र
शुभ रंग	रक्त
मंत्र	ॐ सां सीं सौं सः केतवे नमः
शुभ यंत्र	केतु यंत्र

14	9	16
15	13	11
10	17	12

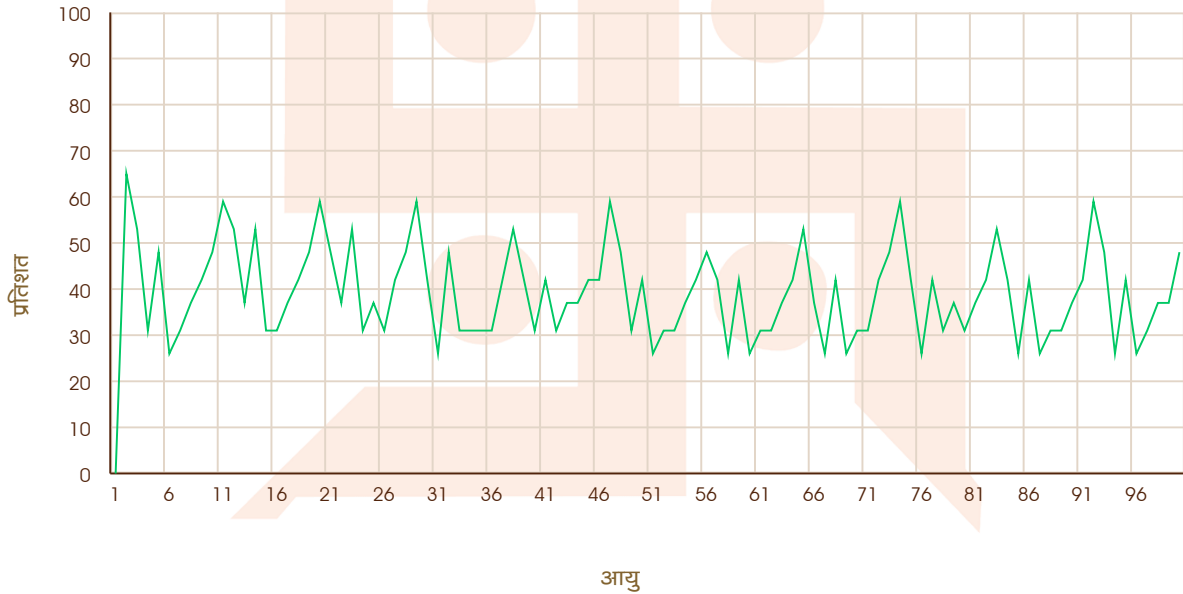


FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 1989,1998,2007,2016,2025,2034,2043,2052

शुभ आयु 17,26,35,44,53,62,71,80

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक नौ होने से आपका मूलांक नौ होता है। मूलांक नौ का स्वामी मंगल है। मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है। अतः आपके अन्दर भी सेनापति, नायक, मुखिया इत्यादि बनने की चाह सामाजिक क्षेत्रों में बनी रहेगी। रोजगार व्यवसाय में एकाधिकार की प्रवृत्ति आपमें पाई जायेगी। आपके अन्दर साहस अधिक होने से आप अपने कार्यों को अदम्य साहस से करते हुये कठिनाईयों को आसानी से पार कर लेंगी। स्वभाव में आपके तेजी रहेगी। फुर्ती एवं जल्दबाजी रहेगी। आपकी सदैव यही कोशिश रहेगी कि आप जो भी कार्य हाथ में लें वह शीघ्र समाप्त हो जाये।

आपके स्वभाव में साहसीपन होने से आपको दुःसाहस के कार्यों से सदैव दूर रहना हितकर रहेगा। आप अनुशासन प्रिय रहेंगी एवं दूसरों से अनुशासन रखने की अपेक्षा करेंगी। खुशामद एवं चापलूसी से आप प्रभावित होकर कभी-कभी नुकसान भी उठायेंगी। अतः खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से सदैव बचें। मंगल ग्रह के प्रभाव से क्रोध की मात्रा भी आपमें रहेगी। इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे। शत्रुओं की संख्या कम रहेगी एवं आप में शत्रुओं को दमन करने का बल हमेशा बना रहेगा।

मंगल के मूलांक के प्रभाववश आप अग्नितत्व प्रधान रोगों की शिकार होंगी। अतः आपको सौम्यता का व्यवहार रखना भाग्य में वृद्धि कारक रहेगा। क्रोध से बचना आपके लिए हितकर रहेगा।

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात् आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

आपका मूलांक 9 है तथा आपका भाग्यांक 1 है। मूलांक 9 का स्वामी मंगल है तथा भाग्यांक 1 का स्वामी सूर्य है। मूलांक 9 और भाग्यांक 1 के बीच शत्रु संबंध है। इसके प्रभाववश कभी आपको मूलांक का प्रभाव प्राप्त होगा, तो कभी-कभी दोनों के प्रभाव में परिवर्तनशीलता रहेगी। मंगल एवं सूर्य के संयुक्त प्रभाववश आप एक साहसी एवं यशस्वी

महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आप तकनीकी ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्रों में तरक्की प्राप्त करेंगी। आपके रोजगार का क्षेत्र तीव्र गति से उच्चता की ओर अग्रसर होगा। युवा अवस्था से ही आप धनार्जन की ओर उन्मुख होंगी। अपने कार्यक्षेत्र में आप एक स्वाभिमानी, साहसी एवं शीघ्र आर्थिक संपन्नता प्राप्त व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाने की कोशिश करेंगी। जोखिम भरे कार्यों को करने में आपको विशेष आनंद की अनुभूति होगी एवं उनमें सफलता भी प्राप्त होगी। यांत्रिक कार्यों में आपका झुकाव प्रारंभिक अवस्था से ही रहेगा। समूह, समाज, संगठन इत्यादि का नेतृत्व करने की क्षमता आप में विद्यमान रहेगी। आपकी आर्थिक स्थिति प्रौढ़ावस्था में काफी अच्छी हो जाएगी, जो अंत काल तक रहेगी। आपको उच्च कोटि का सामाजिक स्तर प्राप्त होगा।

आपका भाग्योदय 28 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 37 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 46 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 9 की मित्रता 3 एवं 6 से है तथा भाग्यांक 1 की मित्रता 4 एवं 8 से है। अतः आपके जीवन में 1, 3, 4, 6, 8, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। अतः आपके जीवन में प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों द्वारा घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से शत्रु संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के शुभ फलों में थोड़ी-बहुत न्यूनता आएगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभवार का भी मेल होता हो तो, ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष, या दिन घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए जनवरी, मार्च, अप्रैल, जून, अगस्त, सितंबर के माह महत्वपूर्ण रहेंगे तथा कोई भी नया कार्य ऐसी तारीख, दिन, मास में प्रारंभ करें, जब वे आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मेल स्थापित करें तथा एक ही स्थान पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 9 एवं भाग्यांक 1 के प्रभाववश, ईस्वी सन, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 1, 3, 4, 6, 8, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

1 . 10, 19, 28, 37, 46, 55, 64, 73

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

- 4 . 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69
8 . 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बनेंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Parul khimjibhai chavda

8+1+2+6+3 2+5+1+4+1+1+2+5+1+1 3+5+1+6+4+

नाम का योग : 63 नामांक : 9

आपके नाम का कुल योग तिरेसठ है। छह एवं तीन के योग से नौ आपका नामांक होता है। अंक छह का स्वामी शुक्र एवं तीन का स्वामी वृहस्पति है। नामांक नौ का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। इन तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करेंगे। शुक्र के प्रभाव से आप एक आकर्षक व्यक्तित्व की धनी होंगी। आप दूसरों को अपना बना लेने की कला में पारंगत रहेंगी। वृहस्पति के प्रभाव से अध्ययन-अध्यापन, बौद्धिक स्तर के कार्य एवं धर्म कर्म के क्षेत्र में आपको उपलब्धियां प्राप्त होंगी। दान-पुण्य भी आपके द्वारा समयोचित किया जाता रहेगा। मंगल के प्रभाव से आप सदैव मुखिया का पद प्राप्त करने की चेष्टा करेंगी। आप अनुशासन प्रिय रहेंगी। आपको चापलूस लोगों से हमेशा सावधान रहना होगा। इनके द्वारा आपको हानि पहुँचायी जा सकती है। सामाजिक संगठनों में अपनी विशेष सेवा के द्वारा आप कीर्ति एवं स्थिर नाम प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

आपके नाम का नामांक 9 है। यही आपका मूलांक भी है। इन दोनों के आपके भाग्यांक 1 से शत्रु संबंध होने के कारण आपको भाग्यांक के शुभ फल प्राप्त होने में परेशानियाँ आएंगी। अतः आपका नाम आपके लिए अहितकर हो सकता है। यदि आप अपने नाम का अच्छा फल पाना चाहते हैं तो आपको अपने नाम में परिवर्तन करना लाभप्रद रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करे। आपके नाम का एवं मूलांक का एक ही अंक स्वामी होने से आपको मूलांक स्वामी के प्रभाव से वांछित उन्नति मेहनत द्वारा ही प्राप्त होगी। क्योंकि आपका भाग्यांक स्वामी शत्रु होने से आपको भाग्य का उचित फल प्राप्त नहीं होगा। अतः आप अपने नाम में भाग्य से भी अच्छे संबंध बनाने हेतु इस प्रकार से परिवर्तन करें कि वह आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों के साथ उत्तम तालमेल स्थापित कर ले।

आपका नामांक आपके मूलांक 9 से मिलान करता है लेकिन भाग्यांक 1 से मिलान नहीं हो रहा है। जिसके प्रभाव से भाग्य के क्षेत्र में आपको थोड़ी-बहुत परेशानियाँ आ सकती हैं। आपको अपने नाम को भाग्यांक से भी मिलान करना हितकर रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कर सकती हैं जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक से मिलान करे एवं

उसका नामांक 9 आता हो और 5 न हो तो ऐसा नाम आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा तथा आपकी उन्नति में चार-चौद लगायेगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 3,4,8 अंक अच्छे रहेंगे तथा 7,6,1 अंक ठीक नहीं रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-

GANESHA

$$3+1+5+5+3+5+1=23=5$$

GANESH

$$3+1+5+5+3+5=22=4$$

एक अंक :-

RAM

$$2+1+4=7$$

RAMA

$$2+1+4+1=8$$

दो अंक :-

BINDRA

$$2+1+5+4+2+1=15=6$$

BRINDRA

$$2+2+1+5+4+2+1=17=8$$

तीन अंक :-

RAMCHAND

$$2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$$

RAMCHANDRA

$$2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=9$$

चार अंक :-

KRISHNA

$$2+2+1+3+5+5+1=19=1$$

KRESHNA

$$2+2+5+3+5+5+1=23=5$$

पाँच अंक :-

TEWARI

$$4+5+6+1+2+1=19=1$$

TIWARI

$$4+1+6+1+2+1=15=6$$

छः अंक :-

AGGARWAL

$$1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$$

AGARWAL

$$1+3+1+2+6+1+3=17=8$$



FUTUREPOINT
Astro Solutions



लोशु फल

4	9 9 9 9 9	2 2
3	5	7 7
8	1 1 1	6

लोशु चार्ट का परिचय

लोशु चार्ट चीनी अंक शास्त्र का एक अहम भाग है। यह चमत्कारी लक्ष्मी यन्त्र पर आधारित है। इस पद्धति के द्वारा हम किसी भी व्यक्ति की सिर्फ जन्मतिथि जानकर ही बड़ी सरलता व शीघ्रता से उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को समझ लेते हैं। इस पद्धति के द्वारा हम उस व्यक्ति के चार्ट में अनुपस्थित अंकों के हानिकारक प्रभाव को दूर करने के उपाय भी बता सकते हैं। उपस्थित व अनुपस्थित अंकों की पक्तियां कालम व समूह व्यक्ति के विशेष व्यक्तित्व को बताने में सहायक होते हैं।

अंक 1 - दो बार

आपके लोशु चार्ट में दो बार एक अंक की उपस्थिति होने से आप स्वयं को सुगमता व सहजता से व्यक्त कर पाते हैं, आप जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तथा परिस्थितियों का सही अध्ययन कर पाने में सक्षम होते हैं, आप अच्छे साथी, बुद्धिमान एवं आनंदवृति वाले, सुखद एवं अच्छे स्वभाव वाले हैं, दूसरे व्यक्ति के विचारों को भी सुगमतापूर्वक समझ लेते हैं। आप किसी अन्य व्यक्ति की राय को समझने में भी सक्षम हैं। आप महत्वाकांक्षी हैं आपको किसी भी प्रकार का प्रतिबंध पसंद नहीं है। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं। नौकरी करते हो या कोई व्यापार, लेकिन आप ऊँचे से ऊँचे पहुँच कर ही रहते हैं। आप अपने लक्ष्य के प्रति सदा सजग रहते हैं क्योंकि आपका लक्ष्य निश्चित

और निर्धारित होता है। निर्णय लेने में भी आप बहुत दक्ष हैं किसी भी विषय पर सोच-समझ कर निर्णय लेना आपका विशेष गुण है। आपका व्यक्तित्व और जीवन सदा स्वतंत्र रहता है, विचारों की मौलिकता आपकी एक विशेषता है। चार्ट में यह 1 के अंक की सर्वोत्तम संख्या मानी जाती है।

अंक 2 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में दो अंक एक बार उपस्थित हैं। जिस कारण आप संवेदनशील और अंतर ज्ञानी हैं, आप एक ही झलक में दूसरे व्यक्ति का सार निकाल लेने में प्रवीण हो, किन्तु दुर्भाग्य आपको शीघ्रता से आहत भी कर देता है, आप निष्ठाहीनता को ज्ञात करने की विलक्षण प्रतिभा के स्वामी हैं। आप शांत और संवेदनशील स्वभाव वाले हो, आपको अपनी बात किसी से कहते वक्त उसे ध्यान रखना होता है। कभी कभी बात ठीक ढंग से किसी से कह नहीं पाते हो। कोई भी बात आपको बहुत जल्दी चुभ जाती है। आप बहुत भावनात्मक हो। आप बड़े ही अंतर्मुख स्वभाव के होने से आपको भविष्य में घटने वाली घटनाओं के बारे में संकेत मिल जाते हैं। आपमें हिम्मत की कमी होती है, आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, कोई भी निर्णय जल्दी नहीं ले पाते, आप बड़े मूड़ी स्वभाव के होते हैं, बहुत जल्दी अपना स्वभाव बदल देते हैं, हसते हसते गंभीर हो जाते हैं।

अंक 3 - अनुपस्थित

लोशु चार्ट में अंक तीन की अनुपस्थिति हो तो गुरु जनों व ईश्वर की कृपा कम प्राप्त होती है। आत्मविश्वास की कमी रहती है, विचलित होने पर आप तार्किक रूप से नहीं सोच पाते, जिसके कारण आप स्वयं को व्यक्त करने में कठिनाई का अनुभव करते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। अपनी कल्पनाओं के अंदर खोये रहते हैं, अक्षर दूसरों के साथ अच्छे सम्बन्ध नहीं बना पाते, आप अधिक दूर की नहीं सोच पाते, आपकी मानसिक क्षमता कमजोर होती है। जिस कारण आपको अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। आपकी कल्पनाशक्ति और ज्ञान कम होता है। आपके पास दूरदर्शिता भी नहीं रहती, यह मानसिक, शारीरिक, और आर्थिक तंगी में हालत से लड़ नहीं पाते। आप जल्दी परेशान हो जाते हैं, आपकी अध्यात्म और ज्ञान के विषय में रुचि नहीं रहती। आपको आवश्यकता इस बात की है कि आप स्वयं को स्वीकार कर आगे बढ़ें और धीरे-धीरे आत्मविश्वास व आत्मसम्मान में बढ़ोतरी करें।

अंक 4 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में चार का अंक अनुपस्थित है। अतः आप पूर्वनिर्धारित योजना के अनुसार कार्य नहीं कर पाते। कई बार आप अपने विचारों में उलझे रहते हैं और दिशाहीन हो जाते हैं। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है, जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है, विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने

में परेशानी महसूस होती है। आपमें दिमाग, बुद्धि और अनुशासन की कमी होती है, आप वक्त की उपयोगिता को नहीं समझ पाते। आप संयोजित नहीं होते, जिस कारण आपको जितनी सफलता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिल पाती। आवश्यकता इस बात की है कि आप सुव्यवस्थित होकर अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ें, इस अंक की अनुपस्थिति से आप अपने ज्ञान, सम्पर्क, परिवार के सदस्य तथा अपने कर्मचारियों से भी पूरा लाभ नहीं ले पाते। धीरता और सहनशीलता के गुणों के विकास से जीवन आपके लिए आसान बन जाता है।

अंक 5 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 5 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप लक्ष्य निर्धारण में कठिनाई का अनुभव करते हैं, और आपमें बहुमुखी प्रतिभा व इच्छा शक्ति का अभाव होता है। आप वार्तालाप करने में असफल, पढ़ने में मन न लगना व पैसे का अभाव बना रहता है। आप जल्दी ही धैर्य छोड़ देते हैं, सफलता भी आसानी से नहीं मिलती, क्योंकि इनका बात करने का ढंग अच्छा नहीं होता है। चोट-चपेट और दुर्घटनाओं का दुर्योग बनता है। शस्त्राघात व दुर्घटना की संभावना जीवन में हमेशा रहती है। आपको हमेशा ही वाहन आदि सावधानी से चलने चाहिए। आपको अपने व्यक्तिगत जीवन में कई चुनौतियों और उतार-चढ़ावों का सामना करना पड़ता है। कई कार्यों में असफलता प्राप्त होती है, आपके पारिवारिक जीवन में उथल-पुथल मची रहती है। आपको दूसरों से सतत प्रेरणा की आवश्यकता होती है। ऐसे में आपको चाहिए कि यथार्थ लक्ष्य को निर्धारित करना सीखें, और उसे प्राप्त करने के पश्चात् ही अगले लक्ष्य की ओर बढ़ें। अंक पांच की चार्ट में अनुपस्थिति सामान्य है।

अंक 6 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 6 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप स्वयं में आत्म-समर्पण की भावना उत्पन्न करें, आपमें अपनी अन्तर्भावनाओं को दूसरों से छिपाकर रखने की प्रवृत्ति होती है। इस प्रवृत्ति का कारण होता है, अपने माता अथवा पिता के साथ जीवन के प्रारम्भ में अच्छे सम्बन्ध, फलस्वरूप आपको तब तक अपने संबंधों में अनिश्चयता का सामना करना पड़ता है। जब तक कि आप हृदय से उन्मुक्त व उदार होना नहीं सीख लेते हैं। चिंता और तनाव आप लोगों के लिए विषमताओं के कारण हो सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, आपको पारिवारिक सहयोग मिलने में परेशानी आती है। आपका भी बच्चों और परिवार के प्रति लगाव कम होता है, आप लोगों की मदद तो करते हैं। लेकिन खुद के लिए मदद नहीं मिलती, दोस्तों की मदद नहीं मिलती, आपको भौतिक तथा पारिवारिक सुख व भोग विलास की कमी रहती है। आप जीवन के सकारात्मक पक्ष की अपेक्षा नकारात्मक पक्ष की ओर अधिक ध्यान देते हैं। आपको कभी भी विदेश से सम्बंधित काम नहीं करना चाहिए।

अंक 7 - एक बार

आपके लोशु चार्ट में सात अंक एक बार उपस्थित है। अतः आप प्रेम, स्वास्थ्य अथवा संपत्ति खोकर जीवन का गूढ़ अनुभव प्राप्त करते हैं, कड़वे अनुभवों से सिखने के कारण आपका झुकाव अधिकाधिक आध्यात्मिक अथवा आत्म-ज्ञान की ओर हो जाता है। आप आंतरिक बातों को

समझने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। आपके शरीर के निचले अंगों में चोट लगने अथवा रोग की प्रायः संभावना रहती है। आप किसी भी कार्य को स्वयं करने में समर्थ होते हैं। आप अव्यवहारिक, अत्यधिक कल्पना, और भयभीत रहते हो, जिस कारण आपको रोजमर्रा की जिंदगी में अच्छी तरह से काम करना मुश्किल हो जाता है। कई बार आपकी अत्यधिक स्पष्टवादिता एवं अपनी पहचान का अहम कई बार आपको दूसरों का गुलाम बना देता है। आपकी स्मरणशक्ति कमजोर होती है, इस कारण आप दैनिक जीवन के कार्यों में कठिनाता का अनुभव करते हैं।

अंक 8 - अनुपस्थित

आपके लोशु चार्ट में 8 का अंक अनुपस्थित है। अतः आप अपने वित्तीय प्रबंधन में कुशल नहीं होते, आप या तो बिलकुल ही लापरवाह होते हैं, अथवा दूसरों के प्रति ज्यादा विश्वस्त होते हैं। फलस्वरूप रुपये-पैसे के मामलों में कष्ट प्राप्त करते हैं, आपमें निर्णय शक्ति की कमी व भौतिक साधनों का अभाव रहता है। लक्ष्य-निर्धारण की भी कमी होती है, और कार्य को हाथ में लेकर अधूरा छोड़ने की प्रवृत्ति भी, आपको प्राकृतिक जल्दबाजी को नियंत्रण करने, और अभिनय से पहले सोचने के लिए सिखने की जरूरत है। आप अनुशासित नहीं होते हैं, आप अपने पैसों का हिसाब नहीं रख पाते, जैसे कितना कमाया, कितना लगा और क्या बचा है। आप अधिक मेहनत करने में विश्वास नहीं रखते, आपकी अत्यधिक महत्वाकांक्षा एवं भौतिकवादी सोच आपके लिए तनाव एवं अवसाद का कारण बनती है। आपमें जल्दी स्थिरता नहीं आती, और जीवन में जल्दी से पैसा कमाना चाहते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि आप अपनी इस स्वेच्छा की प्रवृत्ति का त्याग करें, और कुछ करने से पूर्व विचार करने की आदत का विकास करें।

अंक 9 - चार बार

आपके लोशु चार्ट में नौ अंक चार बार उपस्थित है। अतः आप अत्यंत बुद्धिमान होते हैं, लेकिन व्यावहारिक संसार में रहने में कठिनाता का अनुभव करते हैं, और बहुधा अपनी कल्पनाओं के जगत में ही विचरण करते हैं। आपके बचपन में विद्यार्जन में अनेक कठिनाइयां आती हैं, आपका जीवन संघर्षमय रहता है। आपके स्वभाव के कारण आपके बहुत से शत्रु बन जाते हैं। रोजगार आर्थिक दृष्टि से अच्छा रहता है, लेकिन आर्थिक स्थिति परिवर्तनशील रहती है। आप घूमने फिरने के शौकीन होते हैं। यद्यपि आपको यात्रा में दुर्घटना एवं चोट लगने की आशंका रहती है। आप स्वयं के लिए अत्यधिक खर्चीले हैं, तथा अपने साथी से सहायता प्राप्त करने के लिए उचित समझ की आपमें कमी होती है। प्रेम एवं विवाह में विश्वास पात्र होते हैं किन्तु अपने क्रोधी स्वभाव के कारण रिश्तों को अधिक समय तक नहीं चला पाते। लेकिन जब आप निहित स्वार्थ यानि पैसा, प्रेम या पद के लिए काम करते हैं तो आपको दर्द एवं पीड़ा हाथ लगती है। यदि आप अपनी प्रचुर सामर्थ्य व शक्ति को दिशा प्रदान करना सिख लें तो संसार में लोक-कल्याण की जबरदस्त ताकत बन सकते हैं।

अव्यवस्था के अंक - 8. 3 व 4

आपके लोशु चार्ट में 8. 3 व 4 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप दूरदर्शी, विचारक, क्रमबद्ध

व व्यवस्थित नहीं होते हैं। आप लम्बे अर्से कि योजनाएं न बनाकर अपना सामान्य जीवन जीते हैं, और योजना बनने पर आप उसकी सफलता से पूर्व ही उसमें कोई विगाड़ पैदा कर देते हैं। अनुशासन में यह कठोर होते हैं, इस कारण आपके साथ कार्य करने वाले अथवा आधीन सेवा करने वाले आपके विरोधी बन जाते हैं। आपका स्वास्थ्य पक्ष थोड़ा कमजोर ही रहता है, दूसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण को भी आप प्रायः ठीक प्रकार से समझने में कठिनाई महसूस करते हैं। भय, वहम एवं परिवर्तनशील स्वभाव के कारण कभी-कभी आपकी पढ़ाई में रुकावट आते हुए भी देखा गया है। जिसके कारण पढ़ाई बीच में ही रह जाती है। यानी कि आप इच्छा अनुसार योग्यता न प्राप्त कर पाने के कारण शिक्षा को लेकर असंतुष्ट भी रहते हैं। आप अपने दिमाग को किसी चीज पर केंद्रित नहीं कर पाते, नौकरी में आपको कई बार हानि भी उठानी पड़ती है। कई समस्याओं और उलझनों का सामना करना पड़ता है।

शंका के अंक - 4. 5 व 6

आपके लोशु चार्ट में 4. 5 व 6 अंकों की अनुपस्थिति है। अतः आप शंकालु, सनकी व चिड़चिड़े होते हैं, आप व्यग्र, जोखिम भरे साहसिक कार्य करने वाले, तथा कामुक प्रवृत्ति के होते हैं। आपमें बदले एवं पच्छतावे की भावना अधिक होती है, चिंता करना आपका स्वभाव होता है। और आप जीवन के ऋणात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। आप ऐसे व्यक्ति का परिचायक हैं, जो अँधेरे में रहने का आदि हो, और दिन के प्रकाश में कम निकलता हो, आप लोग जीवन की वास्तविकताओं का सामना करने से डरते हैं। आपको जीवन में उतार-चढ़ाव, निराशा एवं दुःख का सामना करना पड़ता है, इसके लिए आप स्वयं उत्तरदाई होते हैं क्योंकि आप लोग दूसरों से अपेक्षा से अधिक आशा कर लेते हैं। आप परिवार एवं दोस्तों का काफी ख्याल रखते हैं, तथा आप अपने नजदीकी लोगों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। कई बार आप सनकी और उन्मादी भी हो जाते हैं, जिसके कारण कई बार प्रियजनों से आपको समस्या भी हो जाती है।

जल तत्त्व - अंक 1

आपके लोशु चार्ट में जल तत्त्व की उपस्थिति है। जल बुद्धि और ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है, जल लचीला है फिर भी मजबूत है, अभी भी बह रहा है। 1, अंक सूर्य से सम्बंधित है, जल शांत है फिर भी खतरनाक है। जल के लिए सतह केवल शुरुआत है, इसकी गहराई में छिपे वास्तविक चाल के साथ, जल तत्त्व वाले वे नहीं हैं, हालांकि आप अपनी खुद की कंपनी और आंतरिक प्रतिबिम्ब के लिए समय का आनंद लेते हैं। आप अक्षर शांत और शांति पूर्ण होते हैं, लेकिन दूसरों को अभिभूत करने की एक बड़ी क्षमता होती है, आप निडर, साहसी व स्वाभिमानी भी होते हैं। नौकरी हो या व्यवसाय अपनी कड़ी मेहनत की बदौलत आप हमेशा उच्च शिखर पर पहुँचते हो, किसी भी कार्य को करने में आप निपुण हैं आप अपने जीवन को निष्पक्ष तरीके से देखते हैं।

खूबियां- आप राजनैतिक कार्यों में कुशल, परिवार, समाज, राष्ट्र आदि सभी का नेतृत्व करने की आपें क्षमता होती है। तेज़ नज़र, सहानुभूति और अच्छे मध्यस्थ, दृढ़, सहज और लचीला, कोमल लेकिन मजबूत, और आप दूरदर्शिता के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां - स्व कृपालु, बहुत निष्क्रिय, दूसरों पर बहुत ज्यादा भरोसा करना, दुविधा में पड़े रहना, चिंतित रहना आदि अवगुण होते हैं।

पृथ्वी तत्त्व - अंक 2, 5, 8

आपके लोशु चार्ट में पृथ्वी तत्त्व की उपस्थिति है। पृथ्वी स्थिर और मध्यस्थ होती है। यह एक प्राकृतिक जन्म शांति रक्षक होता है। पृथ्वी धैर्यवान, विचारशील और शांत होती है। जबकि पृथ्वी गर्म और पोषित होती है, यह आसानी से स्व-केंद्रित भी हो सकती है क्योंकि यह मानती है कि यह सब कुछ का केंद्र है। पृथ्वी सुरक्षात्मक है और वे उन जड़ों का प्रतिनिधित्व करती हैं। जो सब कुछ एक साथ रखती हैं, हालांकि, यह भी नियंत्रित हो सकती है। इस तत्त्व के लोग सहानुभूति की एक बड़ी मात्रा में होते हैं और खुद को लगातार दूसरों की खुशी के बारे में चिंतित पाते हैं। 2 अंक चन्द्रमा का है, 5 अंक बुध का और 8 अंक शनि से सम्बंधित है, ऐसे व्यक्ति धनान्द्र्य होते हैं, इनका अपना जमीन से जुड़ा हुआ मकान होता है।

खूबियां - ऐसे लोग स्थिर प्रवृत्ति के, गंभीर, व्यावहारिक, तार्किक, अनुकंपा, देखभाल, सहानुभूति, उत्तरदायी, वफादार होते हैं और ईमानदार, पोषण, संगठित व योजना बनाने में अच्छे, मजबूत और स्थायी होते हैं।

कमजोरियां - अतिसंरक्षित, जिद्दी, जन्मजात कंजूस, रुढ़िवादी, जोखिम लेने में परेशानी होती है।

काष्ठ तत्त्व अंक - 3, 4 की अनुपस्थिति

आपके लोशु चार्ट में काष्ठ तत्त्व की अनुपस्थिति है। अतः आप अपनी मर्जी के मालिक एवं चीजों को सहजता से लेने वाले होते हैं। आपमें स्वयं की योग्यता को कम करके आंकने व स्वयं को न जताने की प्रवृत्ति भी होती है। विपत्ति के समय आप उचित प्रकार से सोच नहीं पाते और अधिक मेहनत करने के बाद उद्देश्य की प्राप्ति होती है। आपमें बहुधा व्यवस्था व प्रेरणा का अभाव होता है। जिसके फलस्वरूप आप तब तक प्रगति नहीं कर पाते जब तक अपने जीवन दर्शन को बदल नहीं देते। आपमें कल्पनाशीलता की कमी होती है। विचार अधिक दृढ़ एवं स्थाई होते हैं, बदलते नहीं हैं जिससे दूसरों को इनके साथ काम करने में परेशानी महसूस होती है। और जीवन में बड़े बुजुर्गों, पिता का, बड़े भाई का सहयोग नहीं मिलता।

धातु तत्त्व - अंक 6, 7

आपके लोशु चार्ट में अंक 6, 7 धातु तत्त्व की उपस्थिति है। धातु खानों में पाया जाने वाला हीरा है, यह जीवन की सांस है, 6, 7 धातु तत्त्व से सम्बंधित लोग स्वयं का सम्मान करते हैं, और दूसरों का भी सम्मान करते हैं, 6, अंक शुक्र और 7, अंक केतु से सम्बंधित है। इस तत्त्व से प्रभावित लोग मजबूत और कठोर होते हैं, लेकिन दबाव डालने पर यह अनुकूल और बदल जाते हैं। धातु को अक्षर बिना पका हुआ, कठोर और निर्धारित किया जाता है। इस तत्त्व वाले लोग न्यूनतम होते हैं, संगठित और स्वच्छ जीवन की सादगी का आनंद लेते हैं, हालांकि नकारात्मक पक्ष पर धातु भी शक्तिशाली और नियंत्रित हो सकती है, ये धातु पदार्थ है। वास्तव में आपके

जीवन में जटिल या अनावश्यक भावना की आवश्यकता होती है।

खूबियां- आप साहसिक, महत्वाकांक्षी, स्वतंत्र विचारधारा, निर्धारित लक्ष्य पर चलने वाले, अनुशासित, केंद्रित, उच्च नैतिकता और उच्च मानक के गुणों से युक्त होते हैं।

कमजोरियां- संचार कौशल में कमी, जिद्दी, कभी-कभी अनुचित आंकना, क्रूर, निर्दयी, आसानी से संबंधों में कटौती, अतिसंवेदनशील, आदि अवगुण होते हैं।

अग्नि तत्त्व - अंक 9

आपके लोथु चार्ट में अग्नि तत्त्व की उपस्थिति है। आग हमेशा ऊपर की ओर निर्देशित होती है और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होती है। यह लगातार और मजबूत है, हालांकि, यह फैलता भी है और आसानी से भटकता भी है। तत्त्व के रूप में आग के साथ रोमांचकारी साधक होते हैं, जो एक साहसिक क्षण से अगले तक घूमते हैं। आग अक्सर गर्मी, जुनून और बनाने की आवश्यकता से जुड़ी होती है। हालांकि, रिवर्स साइड पर, यह आक्रामकता, अधीरता और विनाश से भी संबंधित हो सकती है। जबकि आग गर्मी और गर्मी प्रदान कर सकती है, यह जल भी सकती है। आग अपने आप नहीं हो सकती। हालांकि यह उज्ज्वल और रोमांचक है। इसे संपन्न करने के लिए लकड़ी की स्थिरता की आवश्यकता है। 9 अंक मंगल से सम्बंधित है, इनका शरीर सुगठित, इनकी इच्छा शक्ति स्ट्रॉंग होती है, ये बहादुर, साहसी और पूरी शक्ति के साथ कार्य करने वाले होते हैं, इनमें निर्णय लेने की क्षमता अच्छी होती है।

खूबियां- आप भावुक और उत्साही, रचनात्मक, अनुशीलन और करिश्माई, सहज और साहसी, हमेशा चुनौती को स्वीकार करने वाले, गर्मजोशी और दृढ़ संकल्प शक्ति वाले होते हैं।

कमजोरियां - ध्यान की लालसा, रोगी, जोड़ तोड़ करने वाले, झगड़ालू प्रवृत्ति के, मिजाज के अनुकूल, आक्रामक, आवेगी और अस्थिर, अकेले रहने वाले होते हैं।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

मंगल दिनांक 23 मार्च से 20 अप्रैल तक एवं 24 अक्टूबर से 21 नवंबर तक पाश्चात्य मत से, सूर्य मेष तथा वृश्चिक राशि में रहता है। भारतीय मत से यह समय 13 अप्रैल से 12 मई एवं 14 नवंबर से 14 दिसंबर होता है। मेष एवं वृश्चिक मंगल की अपनी राशियां हैं। दिनांक 14 जनवरी से 13 फरवरी तक सूर्य मकर राशि में रहता है, जो मंगल कि उच्च राशि है अतः उपर्युक्त समय मूलांक 9 के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

मंगलवार, शुक्रवार एवं गुरुवार आपके लिए ठीक दिन रहेंगे। आप यदि किसी भी कार्य को करते हैं तो इन्हीं दिवसों में प्रारंभ करें और यदि इन दिवसों में अनुकूल तारीखें भी आएँ तो श्रेष्ठ फलदायक रहेगा।

शुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी अंग्रेजी मास की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 29 एवं 30 तारीखें अधिक अनुकूल रहेंगी। इन तारीखों में महत्वपूर्ण कार्य, रोजगार-व्यापार के कार्य, अधिकारी या विशिष्ट व्यक्तियों से संबंधित कार्य अथवा पत्र इत्यादि लिखना आपके लिए अधिक उपयुक्त तथा सफलतादायक होंगे।

अशुभ तारीखें

आपके लिए किसी भी अंग्रेजी माह की 1, 7, 10, 16, 19, 20, 25 एवं 28 तारीखें ठीक नहीं हैं। आपके लिए पत्र इत्यादि लिखना या दस्तावेज लिखने हेतु अथवा विशिष्ट अधिकारी से मिलने हेतु या कोई भी नया कार्य प्रारंभ करना हो तो इन तारीखों में प्रारंभ न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों को अथवा 13 अप्रैल से 12 मई एवं 14 नवंबर से 14 दिसंबर तथा 14 जनवरी से 13 फरवरी के मध्य हुआ हो, ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता अच्छी रहेगी तथा रोजगार, व्यापार के क्षेत्र में भी आप उच्चता के शिखर पर पहुंचेंगे। ऐसे व्यक्ति आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

मूलांक 3, 6, 9 वाली महिलाएं तथा जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 दिनांकों में हुआ हो पर वे आपके लिए विश्वसनीय सिद्ध होंगी। ऐसी स्त्रियों से ही आप प्रेम अथवा विवाह संबंध स्थापित कर सकते हैं जो आपके लिए शुभ फलदायी रहेगा।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अनुकूल रंग

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी, गहरा लाल होने के कारण आपको चाहिए की अपने घर में दीवारें, खिड़कियां, पर्दे आदि का चुनाव करते समय इन रंगों को ध्यान में रखें तथा यदि आपका स्वास्थ्य साथ नहीं दे रहा है तब आप इन रंगों का रुमाल बना कर अपने पास हमेशा रखें तथा कोई भी रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य करते समय इन रंगों के वस्त्र धारण करना न भूलें, जो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अच्छा रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए दक्षिण दिशा उत्तमकारी है। अतः आपके लिए मकान या कॉम्प्लेक्स वही शुभ रहेगा जो दक्षिण में स्थित हो। अतः आप शहर की दक्षिण दिशा या भवन की दक्षिण दिशा का चुनाव कर सकते हैं एवं रोजगार-व्यापार की बैठक भी दक्षिण दिशा में रख सकते हैं, जो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अच्छा रहेगा। भवन के फ्लैट का क्रमांक का योग 3, 6 या 9 रखना लाभप्रद रहेगा।

शुभ वाहन नं

नये वाहन का पंजीकरण क्रमांक आपके मूलांक 9 या मूलांक के मित्र अंक 6 तथा 3 में से कोई एक लेना हितकर रहेगा, जैसे वाहन पंजीकरण क्रमांक 5238 = 9 इत्यादि होना चाहिए। यदि आप होटल में कमरा आदि बुक करते हैं, तो उसके लिए अंक 108 = 9 होना आपके लिए हितकर रहेगा। अथवा आप वाहन द्वारा यात्रा करते हैं, तो सीट इत्यादि क्रमांक आपके मूलांक या मित्र अंक भाग्यशाली अंक साबित होंगे। इन्हीं शुभ अंकों के प्रभाव से ही आपकी यात्रा सफल हो सकती है।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको क्रोध, झल्लाहट, दुर्घटना, चोट, अंग शैथिल्य, हृदय रोग, रक्तचाप इत्यादि पीड़ा देंगे। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय आप हनुमान की उपासना तथा आराधना करें, मंगलवार का व्रत करें और एक समय भोजन करें।

व्यवसाय

संगठन, संघ संचालक, नियंत्रक, चिकित्सा, ज्योतिष, धर्मोपदेशक, सैन्य विभाग, गोला-बारूद, आतिशबाजी का व्यवसाय, वकालत, औषधि विक्रेता, लौह तथा अन्य धातु संबंधी कार्य अथवा प्रभुता के कार्य। इन सबको अंक 9 में समाविष्ट कर सकते हैं।

व्रतोपवास

मंगलवार को भौम अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। यह व्रत पैतालीस मंगलवार या कम से कम इक्कीस मंगलवारों को करें। लाल वस्त्र धारण करें एवं लाल वस्तुओं का दान करें। यथाशक्ति मंगल के मंत्र का मूंगे की माला पर जप करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अनुकूल रत्न या उपरत्न

आप मूंगा धारण करें। इसके न मिलने पर संगसितारा, लाल हकीक, लाल मून स्टोन धारण कर सकते हैं। इसे आप मंगलवार के दिन, शुक्ल पक्ष में, शुभ चौघड़िया मुहूर्त में, तांबा, सोना, मिश्रित धातु या चांदी में छह से नौ रत्ती का मूंगा बनवा कर, दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में त्वचा को स्पर्श करते हुए धारण करें।

अनुकूल देवता

आप मंगल ग्रह की उपासना करें अथवा हनुमान जी की उपासना करने से आपके सभी प्रकार के अरिष्ट दूर होंगे। आप प्रति मंगलवार एवं शनिवार को सुंदर कांड का पाठ किया करें। साथ में हनुमान जी के मंत्र का नित्य एक सौ आठ बार मूंगे की माला पर जप किया करें। हनुमान जी का मंत्र इस प्रकार है : 'हं हनुमत रुद्रात्मकाय हुं फट्'। मंगलवार को एक समय भोजन करें तथा चने एवं मिष्ठान का प्रसाद हनुमान जी को अर्पण करने से आपके सभी कार्य बनेंगे।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए मंगल के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, मंगल गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

भौम गायत्री मंत्र - ॐ अंगारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौमः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप मंगल का ध्यान करें, मन में मंगल की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें :

धरणीगर्भसंभूतं विद्युत्कांतिसमप्रभम्।
कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ मंगल को अनुकूल बनाने हेतु मंगल के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान सौ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ क्राँ क्रीँ क्रौँ सः भौमाय नमः ॥ जप संख्या 10000 ॥

वनस्पति धारण

आप मंगलवार के दिन एक इंच लंबी अनंतमूल की जड़ ला कर, लाल धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें या स्वर्ण या तांबे के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे

मंगल के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक मंगलवार को एक बाल्टी या बर्तन में सौंठ, सौंफ, लाल चंदन, सिंगरफ, माल कांगनी और मौलसरी के फूल आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ मंगल के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आपको कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध, को मिला कर, चूर्ण कर किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए, स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

मंगल की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को मंगल के पदार्थ-तांबा, सोना, गेहूं, लाल वस्त्र, गुड़, लाल चंदन, लाल पुष्प, केसर, कस्तूरी, लाल वृषभ, मसूर की दाल, पृथ्वी, विद्रुम आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

मंगल को अनुकूल बनाए रखने हेतु मंगल यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

